

पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु
स्तर- I, स्तर- II व स्तर- III के लिए

स्तर- I

भाग-1 बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र के लिए पाठ्यक्रम	
A	<p>विकास की अवधारणा एवं सीखने के साथ इसका संबंध, बच्चों के विकास के सिद्धांत, पर्यावरण एवं आनुवांशिकता का प्रभाव।</p> <p><u>समाजीकरण की प्रक्रिया:</u> बच्चे एवं सामाजिक दुनिया (शिक्षक, अभिभावक, समकक्ष लोग)।</p> <p><u>पियाजे, कोहलबर्ग और वायगात्स्की :</u> निर्माण एवं आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य।</p> <p>बाल केंद्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा, बुद्धि, भाषा एवं चिन्तन, सामाजिक संरचना के रूप में लिंग, लिंग भूमिका, लिंग-विभेद एवं शैक्षिक व्यवहार, अधिगमकर्ताओं में वैयक्तिक भिन्नताएं, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय धर्म आदि की विविधता आधारित विभिन्नताओं को समझना। अधिगम का आकलन और अधिगम के लिए आकलन में भेद, विद्यालय आधारित</p> <p><u>आकलन, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन :</u> परिप्रेक्ष्य एवं अभ्यास।</p> <p>अधिगमकर्ता के तत्परता स्तर के आकलन के लिए कक्षा में आलोचनात्मक चिन्तन और अधिगम बढ़ाने के लिए एवं अधिगमकर्ता की उपलब्धि के आकलन के लिए उपयुक्त प्रश्न तैयार करना।</p>
B	<p><u>समावेशी शिक्षा की अवधारणा एवं विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को समझना :</u> वंचित सहित विविध पृष्ठभूमि वाले अधिगमकर्ताओं का सम्बोधन। सीखने में कठिनाई, क्षति आदि वाले बच्चों की आवश्यकताओं का सम्बोधन। प्रतिभावान, रचनात्मक, विशेष रूप से सक्षम अधिगमकर्ताओं को सम्बोधित करना।</p> <p><u>अधिगम एवं शिक्षाशास्त्र :</u> बच्चे कैसे सोचते और सीखते हैं, क्यों और कैसे बच्चे विद्यालय प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में “असफल” होते हैं।</p> <p>शिक्षण और अधिगम की बुनियादी प्रक्रियाएं, बच्चों की सीखने की अभिविधि, एक सामाजिक गतिविधि के रूप में अधिगम, अधिगम का सामाजिक संदर्भ। एक समस्या-समाधानकर्ता और वैज्ञानिक अन्वेषक के रूप में बालक।</p> <p>बच्चों में अधिगम की वैकल्पिक संकल्पनाएं, बच्चों की “त्रुटियों” को अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सोपान के रूप में समझना। संज्ञान एवं भावनाएं</p> <p>अभिप्रेरणा एवं अधिगम अधिगम में योगदान करने वाले कारक – व्यक्तिगत एवं पर्यावरणीय।</p>

भाग-II भाषा का पाठ्यक्रम

A

भाषा-I (हिन्दी)

भाषा बोध प्रश्न:

अपठित गद्यांश/पद्यांश- बोध, अनुमान, व्याकरण और शाब्दिक योग्यता पर आधारित प्रश्नों वाले दो लेखांश एक गद्य पर और एक पद्य पर आधारित (गद्यांश साहित्यिक, वैज्ञानिक, वर्णनात्मक या तार्किक हो सकता है)

भाषा विकास प्रश्नों का शिक्षा-शास्त्र:

सीखना और अधिग्रहण, भाषा शिक्षण के सिद्धांत, सुनने और बोलने की भूमिका; भाषा का कार्य और बच्चे इसे एक उपकरण के रूप में कैसे उपयोग करते हैं, मौखिक और लिखित रूप में विचारों को संप्रेषित करने के लिए भाषा सीखने में व्याकरण की भूमिका पर आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य, एक विविध कक्षा में भाषा शिक्षण की चुनौतियाँ; भाषा की कठिनाइयाँ, त्रुटियाँ और विकार, भाषा कौशल

भाषा बोध और दक्षता मूल्यांकन: बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना

शिक्षण- अधिगम सामग्री: पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा के बहुभाषी संसाधन, उपचारात्मक शिक्षण

B

Language – II (English)

Language Comprehension Questions:

Two unseen prose passages (discursive or literary or narrative or scientific) with question on comprehension, grammar and verbal ability.

Pedagogy of Language Development:

Learning and acquisition, Principles of language Teaching, Role of listening and speaking; function of language and how children use it as a tool, Critical perspective on the role of grammar in learning a language for communicating ideas verbally and in written form; Challenges of teaching language in a diverse classroom; language difficulties, errors and disorders, Language Skills. **Evaluating language comprehension and proficiency:** speaking, listening, reading and writing.

Teaching - learning materials: Textbook, multi-media materials, multilingual resource of the classroom, Remedial Teaching.

भाग-III सामान्य अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम	
A	हरियाणा से संबंधित इतिहास, समसामयिक मामले, साहित्य, भूगोल, नागरिक शास्त्र, पर्यावरण, संस्कृति, कला, परंपराएं एवं हरियाणा सरकार की कल्याणकारी योजनाएं।
B	<p>सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कपूर्ण आधार:</p> <p>इसमें शाब्दिक और गैर-शाब्दिक दोनों प्रकार के प्रश्न शामिल होंगे। इस घटक में सादृश्य, समानताएं और अंतर, स्थानिक दृश्यता, स्थानिक अभिविन्यास, समस्या का समाधान, विश्लेषण, निर्णय, निर्णय लेने, दृश्य स्मृति, विभेदन, कथन, संबंध अवधारणाएँ, अंकगणितीय तर्क और चित्रात्मक वर्गीकरण, अंकगणितीय संख्या श्रृंखला, गैर-शाब्दिक श्रृंखला, कूटलेखन-कूटवाचन, कथन निष्कर्ष, न्यायबद्ध, तर्कपूर्ण आधार प्रश्न शामिल हो सकते हैं</p> <p>विषय है: शब्दार्थगत सादृश्य, प्रतीकात्मक/संख्या सादृश्य, चित्रात्मक सादृश्य, शब्दार्थगत वर्गीकरण, प्रतीकात्मक/संख्या वर्गीकरण, चित्रात्मक वर्गीकरण, शब्दार्थगत श्रृंखला, संख्या श्रृंखला, चित्रात्मक श्रृंखला। समस्या का समाधान, शब्द निर्माण, कूटलेखन-कूटवाचन, संख्यात्मक संचालन। प्रतीकात्मक संचालन, रूझान, स्थानिक अभिविन्यास, स्थानिक दृश्यता, वेन आरेख, निष्कर्ष निकालना, छिद्रित छेद/डिजाईन नमूना-मोड़ना और खोलना, आकृति पैटर्न- मोड़ना और पूर्णता, अनुक्रमण, पता मिलान, दिनांक और शहर मिलान, केन्द्र कोड/ रोल नम्बर का वर्गीकरण, छोटे और बड़े अक्षर/संख्या कोडिंग, डिकोडिंग और वर्गीकरण, अंतर्निहित आंकड़े, आलोचनात्मक सोच, भावनात्मक बुद्धिमता, सामाजिक बुद्धिमता।</p>
C	<p>संख्यात्मक अभिक्षमता:</p> <p>प्रश्नों को संख्याओं के उचित उपयोग की क्षमता और उम्मीदवार की संख्या भावना का परीक्षण करने के लिए डिजाईन किया जाएगा। परीक्षण का दायरा पूरी संख्याओं, दशमलव, अंशों और संख्याओं, प्रतिशत के बीच संबंधों की गणना होगी एवं अनुपात और समानुपात, वर्गमूल, औसत, ब्याज, लाभ और हानि, छूट, साझेदारी व्यवसाय, मिश्रण और आरोप, समय और दूरी, समय और कार्य, स्कूल बीजगणित आर प्राथमिक करणियों की बुनियादी बीजगणितीय पहचान, रैखिक समीकरणों के रेखांकन, त्रिभुज और इसके विभिन्न प्रकार के केन्द्र, त्रिभुजों की अनुरूपता और समानता, वृत्त और उसकी जीवा, स्पर्श रेखा, एक वृत्त की जीवाओं द्वारा उपनिर्मित कोण, दो या दो से अधिक वृत्तों के लिए सामान्य स्पर्श रेखाएं, त्रिभुज, चतुर्भुज, नियमित बहुभुज, वृत्त, दायें प्रिज्म, दाएं वृत्ताकार शंकु, दायें वृत्ताकार बेलन, गोलाध, आयताकार समानांतर पाईप, त्रिकोणीय या वर्ग आधार के साथ नियमित दाएं पिरामिड, त्रिकोणमितीय अनुपात, डिग्री और रेडियन माप, मानक पहचान, पूरक कोण, ऊंचाई और दूरी, आयतचित्र, आवृत्ति बहुभुज, बार आरेख और पाई चार्ट आदि को सम्मिलित करेगा।</p>

भाग-IV विषय विशेष पाठ्यक्रम	
A	<p>गणित सामग्री : ज्यामिति, आकार और स्थानिक समझ, हमारे चारों ओर ठोस, संख्याएँ, जोड़ और घटाव, गुणा, भाग, माप, वजन, समय, आयतन, आंकड़े, प्रबंधन, पैटर्न, पैसा।</p> <p>शैक्षणिक मुद्दे : गणित की प्रकृति/तार्किक सोच, बच्चों की सोच और तर्क पैटर्न को समझना और अर्थ बनाने और सीखने की रणनीतियाँ, पाठ्यक्रम में गणित का स्थान, गणित की भाषा, सामुदायिक गणित, औपचारिक और अनौपचारिक तरीकों के माध्यम से मूल्यांकन, शिक्षण की समस्याएँ, त्रुटि विश्लेषण और सीखने और सिखाने के सम्बन्धित पहलू, निदान और उपचारात्मक शिक्षण।</p>
B	<p>पर्यावरण अध्ययन सामग्री:</p> <p>परिवार और मित्र: संबंध, काम और खेल, जन्तु, पादप। खाद्य पदार्थ, आश्रय, पानी, यात्रा, चीजें जो हम बनाते हैं और करते हैं।</p> <p>शैक्षणिक मुद्दे:</p> <p>पर्यावरण विज्ञान की अवधारणा और दायरा, का महत्त्व पर्यावरण विज्ञान, एकीकृत विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन और पर्यावरण शिक्षा, सीखने के सिद्धांत, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान का दायरा और संबंध, अवधारणाओं को प्रस्तुत करने के दृष्टिकोण, गतिविधियों, प्रयोग/व्यावहारिक कार्य, विचार-विमर्श, सतत और व्यापक मूल्यांकन, शिक्षण सामग्री/सहायक उपकरण, समस्याएं</p>

नोट:- एचटीईटी स्तर-1 (पीआरटी) के लिए प्रश्नों का कठिनाई स्तर माध्यमिक स्तर के मानक तक होगा।

विषय:- लेवल-1 (पीआरटी) के लिए प्रश्न हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 1 से 5वीं के निर्धारित पाठ्यक्रम के विषयों पर आधारित होंगे।